IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की सामाजिक चुनौतियां (सीधी जिले के विशेष सन्दर्भ में)

Dr. Madhulika Shrivastava[1] and Preeti Satnami[2]
Professor, Department of Sociology[1]
Research Scholar, Department of Sociology[2]
Government Thakur Ranmat Singh College, Rewa, Madhya Pradesh, India

सारांशः

समाज और राष्ट्र के स्वरूप एवं संतुलित विकास में महिलाओं की भूमिका एवं उसकी उपयोगिता को नकारा नहीं जा सकता मां की भी भूमिका में एक महिला जिस प्रकार अपने बच्चे के व्यक्तित्व एवं चरित्र को जिस रूप में ढालती है जैसा आकार प्रदान करती है वैसा ही राष्ट्र के चरित्र का निर्माण होता है महिलाएं लगभग 50 करोड़ जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती हैं जो कि किसी भी समाज बहुमूल्य अंग मानी जाती हैं कोई समाज महिलाओं में विद्यमान संभावनाओं को अनदेखा कर अपने विकास का लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है सामाजिक प्राणी होने के नाते वह सामाजिक संबंधों की स्थापना हेतु व्यक्ति को अन्य व्यक्तियों से संपर्क करना होता है तथा साथ ही वह अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए समूह के अन्य व्यक्तियों से संपर्क करना होता है तथा साथ ही वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समूह के अन्य व्यक्तियों से क्रियाएं तथा अन्य क्रियाएं करता है इन सब के बावजूद भी इसे कुछ अभाव बना ही रहता है जिनसे विभिन्न समस्याएं जीवन में उभर कर सामने आती हैं

मुख्य शब्दः जनजातीय महिलाएं, समाज, जीवन

प्रस्तावनाः

आज स्वतंत्रता के 72 वर्ष बाद भी अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की कुछ समस्याएं अभी भी विद्यमान हैं हम इनके जीवन में कुछ परिवर्तन जरूर दिखने लगा है अभी भी कुछ जनजातियां ग्रामीण में निवास करती हैं अनुसूचित जनजातियां तो नहीं पर जंगलों पहाड़ों बीहड़ों में निवास करने वाली अनुसूचित जनजाति अभी भी आधुनिक सभ्यता संस्कृति राजनैतिक जीवन आदि से अछूती है।

मैकाइवर और पेज से अपनी कृति ''समाज'' में लिखा है कि 'समाज' में लिखा है कि ''समाज सामाजिक संबंधों का जाल है।'' वस्तुतः समाज ससामाजिक समस्याओं का भी जाल है। सामाजिक आर्थिक

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

तथा सांस्कृतिक जीवन में विभिन्न समस्यायें विद्यमान रहने के कारण ही इनके समाधान में व्यक्ति अपने की निरंतर लगाये रखता है। खासतौर से अन्य समस्यायें तो ही की जा सकती हैं किन्तु सामाजिक समस्यायें अपने आप में कठिन और जटिल हुआ करती है। मनुष्य कभी भी सामाजिक समस्याओं में पूर्णतः मुक्त नहीं रहा है।

अरताटड एम0 रोज ने लिखा है कि सामाजिक समस्या एक ऐसी परिस्थिति है जो किसी समूह के द्वारा अपने सदस्यों के एक स्त्रोत के रूप में देखी जाती है। इसे सामाजिक समस्या प्रमुखतः इसलिये माना जाता है क्योंकि यह सामाजिक वातावरण में ही पायी जाती है और उत्तरदायी कारणों को इस रूप में देखा जाता है कि वे पर्यावरण में ही मौजूद है। वर्ण व्यवस्था हिन्दू समाज की एक विशेषता रही है। इसके आधार पर हिन्दू समाज वर्णों, ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र वर्ण में विभक्त था। प्रारंभिक अवस्था में वर्ण के आधार पर ही जातियों का निर्धारण होने लगा। पहले से ही समाज के प्रथम तीन वर्ग सम्पन्न रहे हैं। किन्तु चौ वर्ग प्रारंभ से ही शोषित, दलित, पिछड़ा एवं कमजोर रहा है।

अनुसूचित जन जातियों को अस्पृश्य मान्ने वाले लोगों को शासन ने कानूनी रूप अपराधी लोगों को शासन ने कानूनी रूप से अपराधी घोषित किया है। अनुसूचित जाति की महिलाओं स्वास्थ्य संबंधी, आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक उन्नति के लिये शासन ने अनेक विकास योजनायें प्रारंभ की हैं। शासकीय नौकरियों में इनके लिये स्थान सुरक्षित किये गये हैं। शिक्षा के प्रसार–प्रचार के लिये अनुसूचित जाति को बाहुल्य क्षेत्र को एक विशेष परियोजना के अन्तर्गत लाकर जगह–जग स्कूल खोले गये हैं। जो कि महिलाओं की सुविधा के लिये रात के समय में भी चलाये जाते हैं। अनुसूचित जाति की महिलाओं को सरकार की ओर से कई तरह की सुविधायें दी जाती है। इन महिलाओं को इनके स्वास्थ्य तथा स्वच्छता संबंधी जानकारी देने के लिये लिये भारत सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास परियोजना को विकास किया गया है। इसके तहत महिलाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता एवं पौष्टिक पोषक आहार संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिये आगनबाड़ी जैसे अनेक शासकीय केन्द्र खोले गये हैं।

अनुसूचित जन जातियाँ महिलाओं के संस्कारों रीति–रिवाज, रहन–सहन एवं कर्मकाण्डों विश्वासों आदि को अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इन महिलाओं के जीवन संबंधी विभिन्न समस्याओं को अध्ययन का प्रमुख अंग बनाया गया है तथा अध्ययन में पूर्णतः निष्पक्षता एवं सतर्कता बढ़ती गयी है।

शोध के उद्देश्यः

1. आजाद की महिलाओं की स्थिति करो का पता लगाना
2. अनसूचित महिलाओं में होने वाले उत्पीड़न मैं सामान महिलाओं के विचारों का अध्ययन करना,
3. अनुसूचित जनजाति के महिलाओं में उत्पीड़न के स्तरों का अध्ययन करना।
4. अनुसूचित जनजाति महिलाओं की पारिवारिक स्थिति की जानकारी प्राप्त करना।
5. अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की आवास व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करना।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

6. अनुसूचित जनजाति की महिलाओं में निर्धनता एवं पिछड़ेपन के कारणों की जानकारी प्राप्त करना।
7. अनुसूचित जनजाति की महिलाओं में शैक्षणिक स्थिति की जानकारी प्राप्त करना।
8. सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों प्रावधानों का क्रियान्वयन कहां तक हो पाया है उन नियमों का लाभ महिलाओं का कहां तक प्राप्त हो रहा है इस बात की जानकारी प्राप्त करना।

शोध परिकल्पना:

1. अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के समक्ष शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां है
2. प्रौद्योगिकी के प्रभाव स्वरूप अनुसूचित जनजाति की महिलाओं में परिवर्तन हो रहा है
3. अनुसूचित जनजाति की महिलाओं में सामाजिक गतिशीलता बढ़ी है

शोध के महत्व:

सैद्धांतिक महत्व:

सीधी जिले के बम्हनी ग्राम पंचायत अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की समस्याओं का समाजशास्त्रीय अध्ययन निम्नलिखित उपयोगिता पर आधारित है

1. प्रस्तुत शोध कार्य में अनुसूचित जनजाति ग्रामीण महिलाओं में व्याप्त समस्याओं को दूर करने के लिए उचित उपाय खोजे गए हैं।
2. अनुसूचित जनजाति की ग्रामीण महिलाओं के परिवारों में व्याप्त निर्धनता रूढ़िवादिता आदि समस्याओं के कारणों की खोज की गई है।
3. अनुसूचित जनजाति की ग्रामीण महिलाओं के रहन–सहन के निम्न स्तर के कारणों की खोज की गई है।
4. अनुसूचित जनजाति की महिलाओं की सामाजिक आर्थिक पहलुओं का अध्ययन किया गया है।
5. इस शोध कार्य में अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के पारिवारिक संरचना विवाह धार्मिक विश्वास आदि विषयों पर भी अध्ययन किया गया है

व्यवहारिक महत्त्व:

1. इस शोध कार्य में अनुसूचित जनजाति की ग्रामीण महिलाओं में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं की जानकारी प्राप्त करना।
2. से प्राप्त जानकारी के आधार पर इन्हें दूर करने के प्रयास में सहायता करना।
3. धार्मिक सामाजिक तथा राजनीतिक सहभागिता की जानकारी से इनसे संबंधित समस्याओं के निराकरण में सहयोग प्राप्त होता है

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

शोध पद्धतिः–

प्रस्तुत शोध कार्य में शोध रखते हुए रखते हुए निम्नलिखित पद्धतियों का उपयोग किया है

निदर्शन पद्धतिः

अध्ययन को स्वरूप देने के लिए उद्देश्य परक निर्देशन के अंतर्गत सीधी शहर का चयन किया गया है। सीधी शहर इलाके में रह रहे कोल अनुसूचित जनजाति के महिलाओं का चयन दर्शन के माध्यम से किया गया है

शोध उपकरणः

प्रश्नावलीः

अध्ययन को स्वरूप प्रदान करने के लिए सीधी शहर के क्षेत्रों में निवास कर रहे अनुसूचित जनजाति की महिलाओं से प्रश्नावली के माध्यम से उनकी राय और विचारों को जानने के प्रयास किए गए हैं तथ्य संकलन के लिए प्रश्नावली का उपयोग किया गया है प्रश्नावली के अंतिम प्रश्न पत्र के रूप में खुला प्रश्न दिया गया जिसके माध्यम से प्रतिभागियों के विचारों को भी शोध में शामिल किया गया है

अनुसूचीः

कुछ प्रतिभागियों को प्रश्नावली समझने में समस्या होने के कारण उनसे राय और विचार जाने के लिए प्रश्नावली का उपयोग यहां अनुसूची के रूप में किया गया है

तथ्य विश्लेषण एवं आंकड़ों का प्रस्तुतिकरणः

प्रस्तुत शोध में अध्ययन के माध्यम से यह ज्ञात करने का प्रयास किया गया है कि कोल जनजाति की महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति की लोकप्रियता और कार्य पद्धति को केंद्र में रखकर यह शोध कार्य किया गया है। तथ्यों और आंकड़ों को प्रश्नावली अनुसूची के माध्यम से एकत्रित कर उनका विश्लेषण किया गया है प्रस्तुत शोध सीधी शहर में रहने वाले कोल अनुसूचित जनजाति की महिलाओं पर विशेष रूप से केंद्रित है अध्ययन में जिनमे विषय से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई है। तथ्य संकलन हेतु पचास से अधिक प्रश्नावली अनुसूची को भरवाया गया है। लेकिन तथ्य विश्लेषण में पचास प्रतिभागियों के मतो को शामिल किया गया है। तथ्य संकलन का कार्य नवम्बर 2022 में किया गया है। साक्षात्कार अनुसूची में कुल 03 प्रश्नो को शामिल किया गया है। साक्षात्कार अनुसूची में बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से प्राप्त तथ्यों को अध्ययन हेतु केन्द्र में रखा गया है। साक्षात्कार अनुसूची में विकल्प के रूप मे हों नहीं आर पता नहीं को तथ्य संकलन हेतु आधार बनाया गया है जो इस प्रकार है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

तालिका क्र.:– 01

1. क्या कोल जनजाति महिलाऐं शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक है?

क्र	न्यादर्श का चयन	संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	20	40%
2.	नही	25	50%
3.	पता नही	5	10%
	योग	50	100%

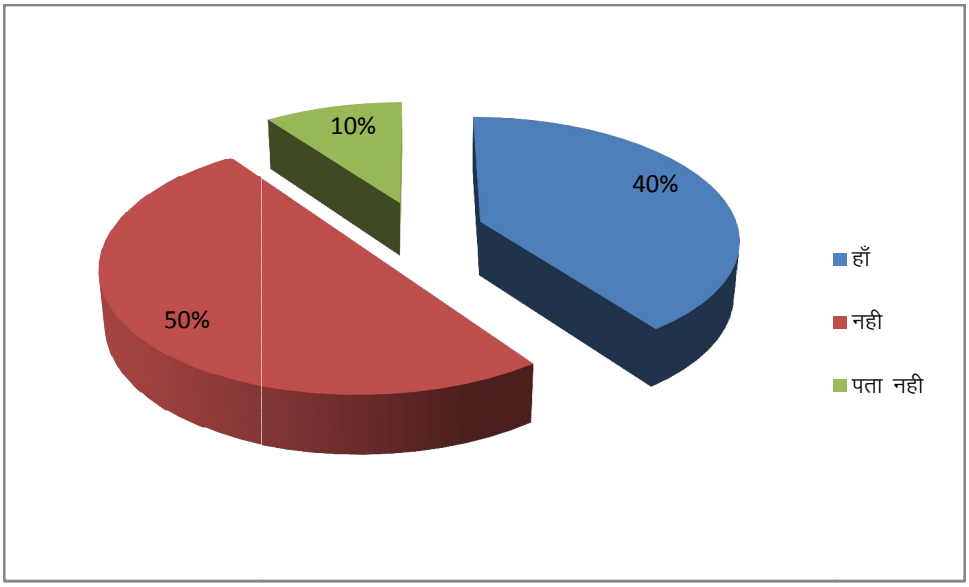

विश्लेषण:

तालिका क्रमांक 1 के आँकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि कोल जनजाति महिलाऐं शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक है कुल 50 उत्तरदाताओं के चुनाव मे से 20 उत्तरदाताओं (40 प्रतिशत) ने कहा है कि जागरूक है जबकि 25 (50 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने कहा जागरूक नही है तथा 05 (10 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने कहा ज्ञात नही है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

तालिका क्र.:– 02

2. जनजातिय महिलाओं के प्रति समाज का दृष्टिकोण कैसा है?

क्र	न्यादर्श का चयन	संख्या	प्रतिशत
1.	अच्छा	22	44%
2.	सहयोगात्मक	15	30%
3.	उपेक्षित	13	26%
	योग	50	100%

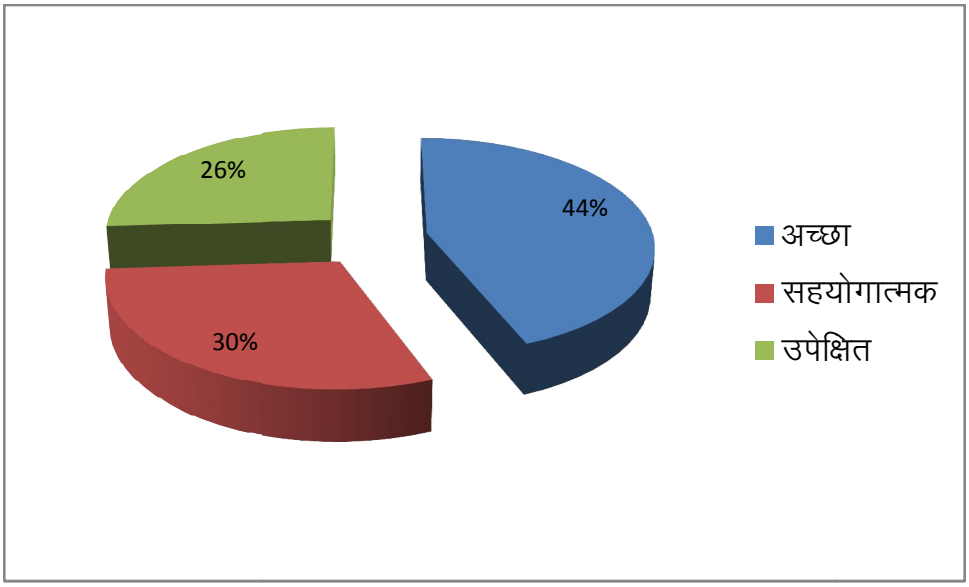

विश्लेषण–

तालिका क्र. 2 के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनजातिय महिलाओं के प्रति समाज का दृष्टिकोण कैसा है कुल 50 उत्तरदाताओं में 22 (44 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने कहा कि समाज का दृष्टिकोण अच्छा है। जबकि 15 (30 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने कहा कि समाज का दृष्टिकोण सहयोगात्मक है। तथा 13 (26 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने कहा कि समाज के दृष्टिकोण उपेक्षित नही है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

तालिका क्र.:– 03

3. क्या जनजातीय महिलाओं के कार्य करने की दशाओं के संबंध मे नवीन जानकारी है ?

क्र	न्यादर्श का चयन	संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	24	48%
2.	नही	22	44%
3.	पता नही	04	08%
	योग	50	100%

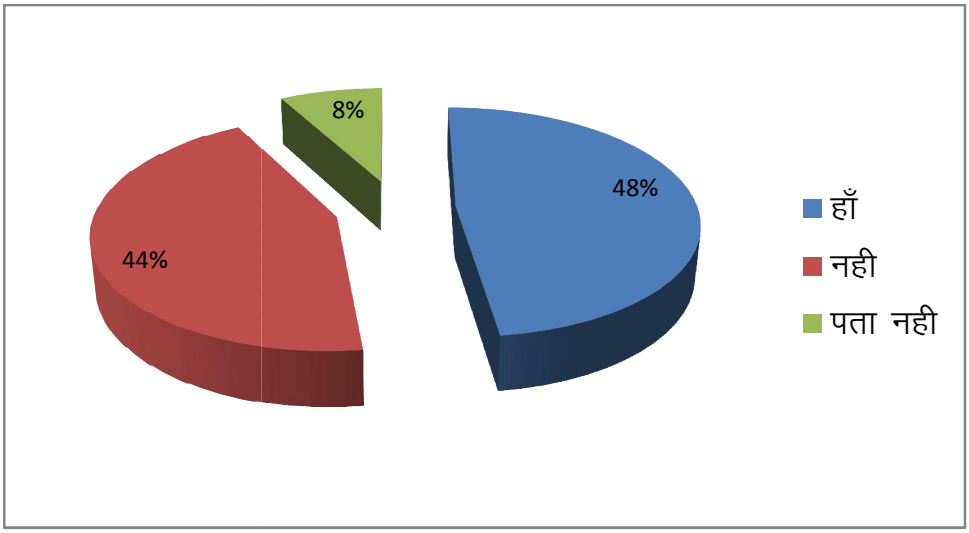

विश्लेषण

तालिका क्र. 03 के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनजातीय महिलाओं के कार्य करने की दशाओं के सम्बन्ध में नवीन जानकारी है कुल 50 उत्तरदाताओं मे से 24 (48 प्रतिशत) उत्तदाताओं ने कहा कि कार्य करने की दशाओं के सम्बध में नवीन जानकारी है। जबकि 22 (44 प्रतिशत) ने कहा कि कार्य करने के सन्दर्भ में जानकारी नही है। तथा 04 (08 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हे कोई जानकारी नही है।

शोध निष्कर्ष:

कोल जनजाति महिलाओं शासकीय योजानाओं के प्रति जागरूक है कुल 50 उत्तर दाताओं में से 25 प्रतिशत उत्त्रदाताओं ने कहा कि जागरूकता में अभी कमी है तथा कोल जनजाति महिलाओं के प्रति समाज का दृष्टिकोण कैसा है के सन्दर्भ में 50 सदस्यों में से 44 उत्तरदाताओं ने कहा कि समाज का दृष्टिकोण अच्छा है जबकि कोल जनजाति महिलाओं के कार्य करने की दशाओं के संबंध में नवीन जानकारी है के संदर्भ में कुल 50 सदस्यों में से 48 प्रतिशत ने कहा कि कार्य करने की दशाओं के संबंध में नवीन जानकारी है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, December 2022
Impact Factor: 6.252

सन्दर्भग्रन्थ सूची

1. हसनैन एन. जनजातीय भारत
2. उप्रेती हरिश्चन्द्र भारत की जनजातीय संरचना एवं विकास
3. चन्दना आर.सी. जनसंख्या भूगोल
4. मुखर्जी आर. एम. भारतीय समाज एवं संस्कृति
5. अटल योगेश आदिवासी भारत
6. यादव माकडेय सिंह आदिवासी समुदाय में स्वास्थ्य कुछ पछ
7. चौधरी वी. डी. ट्राइवल डेव्लेपमेंट इन इण्डिया
8. दुबे एस.सी. ट्राइवल हेरिटेज ऑफ इण्डिया
9. एल्विन बी (1939) द बैगा जॉन मुर्रे लन्दन।
10. बघेल डी. एस. (1990) भारतीय सामाजिक समस्याऐं, पुष्पराज प्रकशन रीवा।
11. तिवारी शिव कुमार (1998) म.प्र. के आदिवासी म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
12. उव्रेती एज.सी. (1970) भारतीय जनजातियां ओरिएंटल प्रकाशन।
13. पटेल जी. पी. (1991) बैगा जनजाति का मानवशास्त्रीय अध्ययन।
14. डेविस किंग्सले (1973) मानव समाज किताब महल इलाहाबाद।
15. ग्रीन ए. डब्ल्यू. सोसियोलॉजी।

पत्रिकायें

1. पहरूआ पहल
2. प्रोग्राम इन इक्शन सीरीज
3. रोजगार गारंटी योजना
4. गाँव की ओर

संस्करण

1. लोकेश श्रीवास्तव (जनजातीय स्वास्थ्य) युनवर्सिटी पब्लीकेशन 22/4735, प्रकाशदीप बिल्डिंग असोटी रोड दरियागंज नई दिल्ली 110002 संस्करण 2010
2. सविन्द्र सिंह (पर्यावरण भुगोल) प्रकाशक : प्रयाग पुस्तक भवन 20ए युनिवर्सिटी रोड इलाहाबाद 211002 दुरभाषः (0532) 2461505, 2460028 (कार्यालय) 2501745 आवास मो. 9415239914 संस्करणः 2008, 2009
3. डॉ. दास शिवतोष 1980 भारत की जनजातियाँ किताब घर नई दिल्ली
4. डॉ. सिंह एम.पी. 1998 म.प्र. की जनजातियों पर विकाश योजनाओं का प्रभाव काशी विद्यापीठ वाराणसी
5. डॉ. शर्मा ब्रम्हदेव 1986 आदिवासी विकाश एक सैद्धांतिक विवेचना म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल